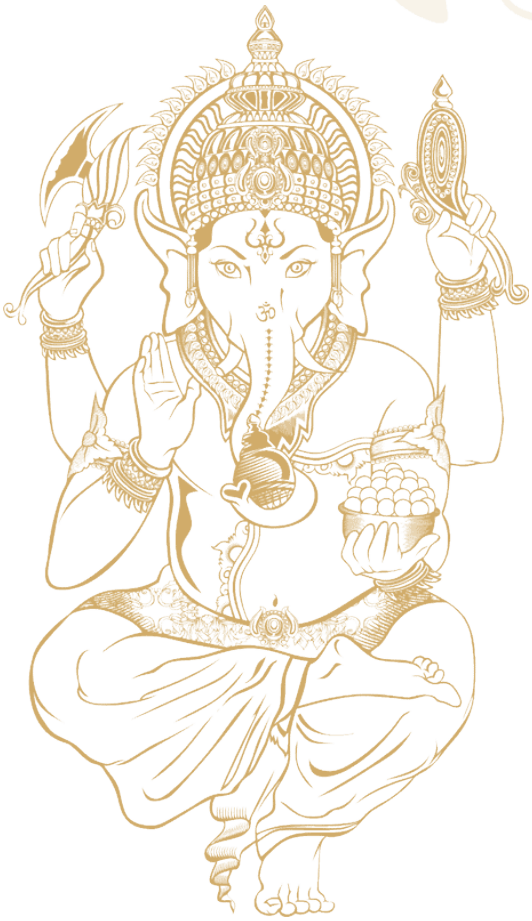

Mr.Nipun Puri

29 Dec 1985

12:55 AM

Simla

Model: Web-VarshKundli

Order No: 120374801

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
28-29/12/1985	जन्म तिथि	**29/12/2025**
शनि-रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 00:55:00	जन्म समय	09:19:00 घंटे
घटी 44:00:36	जन्म समय(घटी)	04:59:34 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:18:45	सूर्योदय	07:19:10
17:27:43	सूर्यास्त	17:27:56
23:39:31	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:18
कन्या	लग्न	मकर
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कर्क	राशि	मेष
चन्द्र	राशि-स्वामी	मंगल
पुनर्वसु	नक्षत्र	अश्विनी
गुरु	नक्षत्र स्वामी	केतु
4	चरण	1
ऐन्द्र	योग	शिव
तैतिल	करण	कौलव
ही-हीरा	जन्म नामाक्षर	चू-चुन्नी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
मार्जार	योनि	अश्व
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	सिंह
40	गत/तत्कालिक वर्ष	41

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
हस्त	3	19:49:10	कन्या			लग्न			मक	14:13:41	2	श्रवण
पूर्वाषाढ़ा	1	13:21:22	धनु			सूर्य			धनु	13:27:09	1	पूर्वाषाढ़ा
पुनर्वसु	4	00:24:04	कर्क			चंद्र			मेष	00:57:47	1	अश्विनी
स्वाति	3	14:57:36	तुला			मंगल		अ	धनु	16:17:32	1	पूर्वाषाढ़ा
ज्येष्ठा	3	24:41:36	वृश्चि			बुध			धनु	00:07:15	1	मूल
धनिष्ठा	1	23:55:18	मक			गुरु	व		मिथु	27:30:11	3	पुनर्वसु
मूल	3	08:07:50	धनु		अ	शुक्र		अ	धनु	11:24:36	4	मूल
अनुराधा	3	11:09:50	वृश्चि			शनि			मीन	01:47:11	4	पू०भाद्रपद
भरणी	1	13:40:41	मेष	व		राहु	व		कुंभ	17:01:09	4	शतभिषा
स्वाति	3	13:40:41	तुला	व		केतु	व		सिंह	17:01:09	2	पू०फाल्गुनी
ज्येष्ठा	3	25:39:17	वृश्चि			मु			मक	19:49:10	3	श्रवण

वर्ष - विवरण

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:18

लग्न-चलित

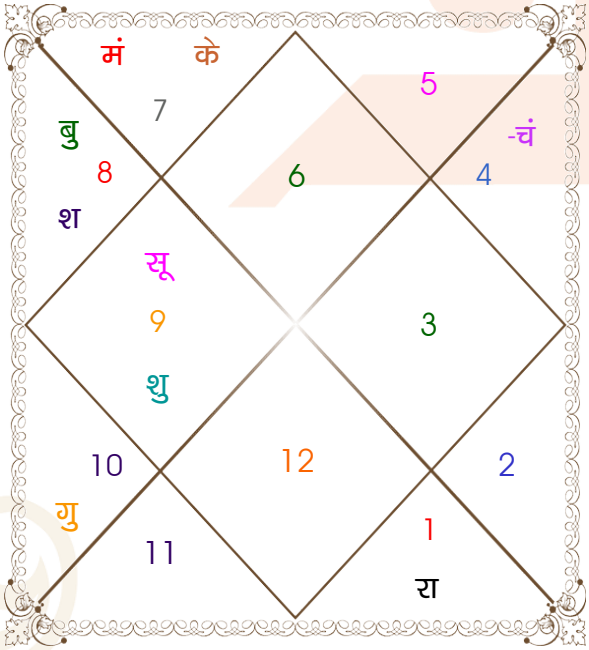

वर्ष लग्न कुंडली

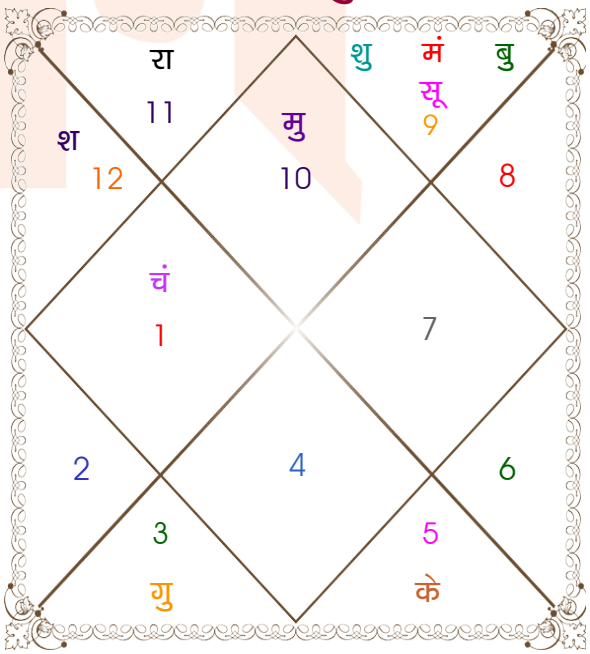

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

चन्द्र कुंडली

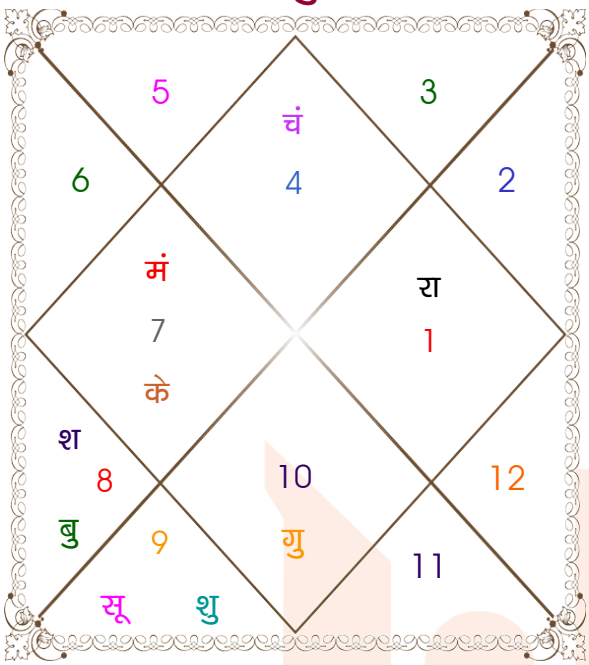

वर्ष चन्द्र कुंडली

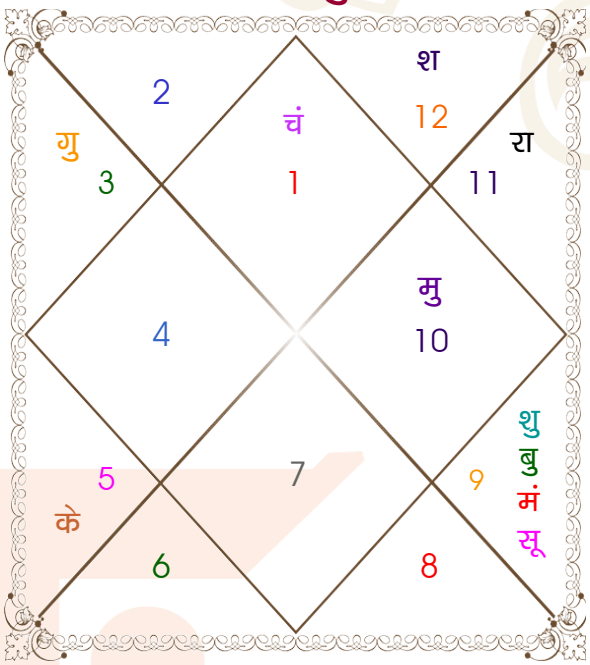

नवमांश कुंडली

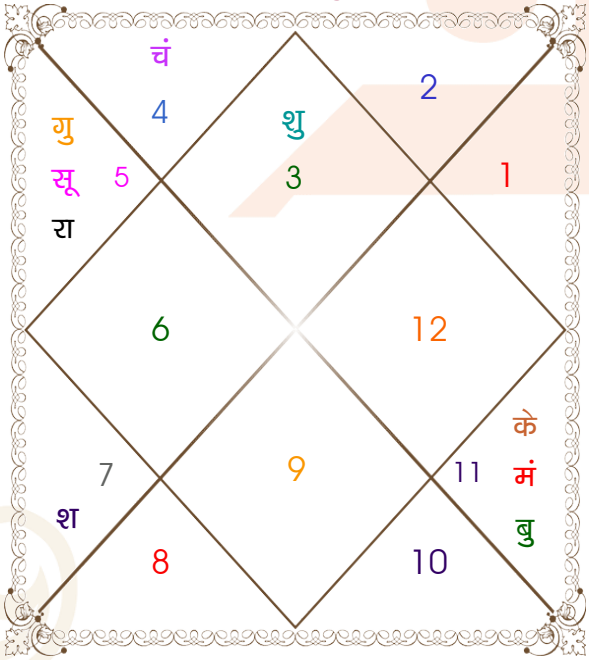

वर्ष नवमांश कुंडली

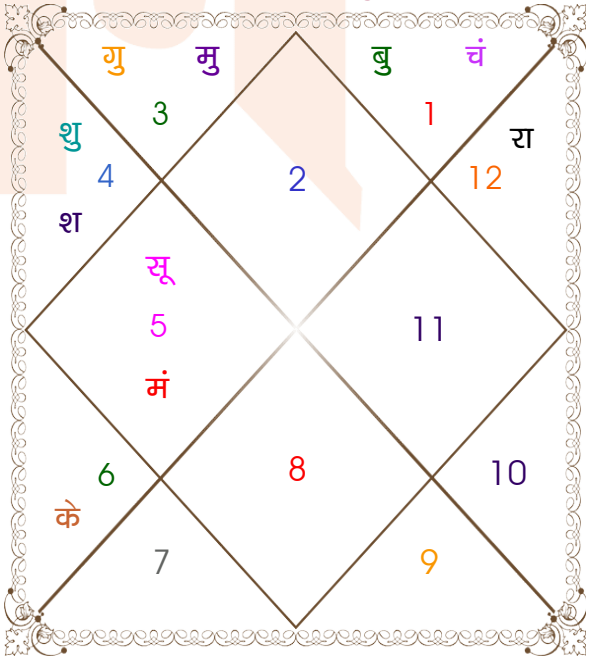

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चन्द्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	सम
मंगल	शत्रु	मित्र	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
बुध	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु
गुरु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु
शुक्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु
शनि	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मक	धनु	मेष	धनु	धनु	मिथु	धनु	मीन
होरा	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	वृश्चि	कर्क	मेष	कर्क	मिथु	सिंह	कर्क	मक
चतुर्थांश	मेष	मीन	मेष	मिथु	धनु	मीन	मीन	मीन
पंचमांश	मीन	धनु	मेष	धनु	मेष	तुला	कुंभ	वृष
षष्ठांश	धनु	मिथु	मेष	कर्क	मेष	कन्या	मिथु	तुला
सप्तमांश	तुला	मीन	मेष	मीन	धनु	धनु	कुंभ	कन्या
अष्टमांश	कर्क	सिंह	मेष	कन्या	वृष	धनु	सिंह	वृष
नवमांश	वृष	सिंह	मेष	सिंह	मेष	मिथु	कर्क	कर्क
दशमांश	मक	मेष	मेष	वृष	धनु	मीन	मीन	वृश्चि
एकादशांश	वृष	मीन	मीन	मेष	वृश्चि	मीन	मीन	कुंभ
द्वादशांश	मिथु	वृष	मेष	मिथु	धनु	वृष	मेष	मीन

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
होरा	स्व	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम
द्रेष्काण	मित्र	मित्र	मित्र	स्व	शत्रु	मित्र	स्व
चतुर्थांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	स्व	शत्रु	शत्रु
पंचमांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
षष्ठांश	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
सप्तमांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	स्व	शत्रु	शत्रु
अष्टमांश	स्व	मित्र	शत्रु	शत्रु	स्व	शत्रु	शत्रु
नवमांश	स्व	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम
दशमांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	स्व	शत्रु	शत्रु
एकादशांश	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	स्व	शत्रु	स्व
द्वादशांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुभ	4	12	4	1	6	2	2
सम	0	0	0	0	0	0	2
अशुभ	8	0	8	11	6	10	8
कुल	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	सम	अशुभ	अशुभ

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	0
तृतीय बल	5	0	5	0	5	0	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	0	10	0	10	0	5
बल	सामान्य	अतिक्षीण	सामान्य	अतिक्षीण	सामान्य	अतिक्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	22.50	7.50	7.50	7.50	7.50	7.50
उच्च बल	7.05	16.44	15.37	11.65	19.17	8.27	5.36
हददा बल	3.75	11.25	3.75	3.75	3.75	15.00	3.75
द्रेष्काण	7.50	7.50	7.50	10.00	2.50	7.50	10.00
नवमांश	5.00	3.75	1.25	1.25	1.25	3.75	2.50
कुल	30.80	61.44	35.37	34.15	34.17	42.02	29.11
विंशोपक	7.70	15.36	8.84	8.54	8.54	10.50	7.28
बल	सामान्य	बली	सामान्य	सामान्य	सामान्य	शुभ	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	बुध	8.54	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	शनि	7.28	शुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	शनि	7.28	शुभ	शनि
दिवापति	गुरु	8.54	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	मंगल	8.84	दृष्टि नहीं	

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

पात्यंश दशा

बुध		चंद्र		शनि		शुक्र		सूर्य	
29/12/2025		30/12/2025		11/01/2026		22/01/2026		29/05/2026	
30/12/2025		11/01/2026		22/01/2026		29/05/2026		26/06/2026	
	29/12/2025	चंद्र	31/12/2025	शनि	11/01/2026	शुक्र	07/03/2026	सूर्य	31/05/2026
	29/12/2025	शनि	31/12/2025	शुक्र	15/01/2026	सूर्य	17/03/2026	लग्न	01/06/2026
	29/12/2025	शुक्र	04/01/2026	सूर्य	16/01/2026	लग्न	20/03/2026	मंगल	03/06/2026
शुक्र	30/12/2025	सूर्य	05/01/2026	लग्न	16/01/2026	मंगल	30/03/2026	गुरु	14/06/2026
सूर्य	30/12/2025	लग्न	05/01/2026	मंगल	17/01/2026	गुरु	21/05/2026	बुध	14/06/2026
लग्न	30/12/2025	मंगल	06/01/2026	गुरु	21/01/2026	बुध	22/05/2026	चंद्र	15/06/2026
मंगल	30/12/2025	गुरु	11/01/2026	बुध	21/01/2026	चंद्र	26/05/2026	शनि	16/06/2026
गुरु	30/12/2025	बुध	11/01/2026	चंद्र	22/01/2026	शनि	29/05/2026	शुक्र	26/06/2026

लग्न		मंगल		गुरु		गुरु		गुरु	
26/06/2026		06/07/2026		02/08/2026		02/08/2026		02/08/2026	
06/07/2026		02/08/2026		29/12/2026		29/12/2026		29/12/2026	
लग्न	26/06/2026	मंगल	08/07/2026	गुरु	02/10/2026	गुरु	02/10/2026	गुरु	02/10/2026
मंगल	27/06/2026	गुरु	19/07/2026	बुध	03/10/2026	बुध	03/10/2026	बुध	03/10/2026
गुरु	01/07/2026	बुध	19/07/2026	चंद्र	07/10/2026	चंद्र	07/10/2026	चंद्र	07/10/2026
बुध	01/07/2026	चंद्र	20/07/2026	शनि	12/10/2026	शनि	12/10/2026	शनि	12/10/2026
चंद्र	01/07/2026	शनि	21/07/2026	शुक्र	03/12/2026	शुक्र	03/12/2026	शुक्र	03/12/2026
शनि	01/07/2026	शुक्र	30/07/2026	सूर्य	14/12/2026	सूर्य	14/12/2026	सूर्य	14/12/2026
शुक्र	05/07/2026	सूर्य	01/08/2026	लग्न	18/12/2026	लग्न	18/12/2026	लग्न	18/12/2026
सूर्य	06/07/2026	लग्न	02/08/2026	मंगल	29/12/2026	मंगल	29/12/2026	मंगल	29/12/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

मुद्दा दशा

शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल		राहु	
29/12/2025		28/02/2026		18/03/2026		17/04/2026		09/05/2026	
28/02/2026		18/03/2026		17/04/2026		09/05/2026		03/07/2026	
शुक्र	08/01/2026	सूर्य	01/03/2026	चंद्र	21/03/2026	मंगल	19/04/2026	राहु	17/05/2026
सूर्य	11/01/2026	चंद्र	02/03/2026	मंगल	22/03/2026	राहु	22/04/2026	गुरु	24/05/2026
चंद्र	16/01/2026	मंगल	03/03/2026	राहु	27/03/2026	गुरु	25/04/2026	शनि	02/06/2026
मंगल	20/01/2026	राहु	06/03/2026	गुरु	31/03/2026	शनि	28/04/2026	बुध	10/06/2026
राहु	29/01/2026	गुरु	08/03/2026	शनि	05/04/2026	बुध	01/05/2026	केतु	13/06/2026
गुरु	06/02/2026	शनि	11/03/2026	बुध	09/04/2026	केतु	02/05/2026	शुक्र	22/06/2026
शनि	16/02/2026	बुध	14/03/2026	केतु	11/04/2026	शुक्र	06/05/2026	सूर्य	25/06/2026
बुध	24/02/2026	केतु	15/03/2026	शुक्र	16/04/2026	सूर्य	07/05/2026	चंद्र	29/06/2026
केतु	28/02/2026	शुक्र	18/03/2026	सूर्य	17/04/2026	चंद्र	09/05/2026	मंगल	03/07/2026

गुरु		शनि		बुध		केतु		केतु	
03/07/2026		20/08/2026		17/10/2026		08/12/2026		08/12/2026	
20/08/2026		17/10/2026		08/12/2026		29/12/2026		29/12/2026	
गुरु	09/07/2026	शनि	29/08/2026	बुध	24/10/2026	केतु	09/12/2026	केतु	09/12/2026
शनि	17/07/2026	बुध	07/09/2026	केतु	27/10/2026	शुक्र	13/12/2026	शुक्र	13/12/2026
बुध	24/07/2026	केतु	10/09/2026	शुक्र	05/11/2026	सूर्य	14/12/2026	सूर्य	14/12/2026
केतु	27/07/2026	शुक्र	20/09/2026	सूर्य	08/11/2026	चंद्र	15/12/2026	चंद्र	15/12/2026
शुक्र	04/08/2026	सूर्य	23/09/2026	चंद्र	12/11/2026	मंगल	17/12/2026	मंगल	17/12/2026
सूर्य	06/08/2026	चंद्र	27/09/2026	मंगल	15/11/2026	राहु	20/12/2026	राहु	20/12/2026
चंद्र	10/08/2026	मंगल	01/10/2026	राहु	23/11/2026	गुरु	23/12/2026	गुरु	23/12/2026
मंगल	13/08/2026	राहु	09/10/2026	गुरु	30/11/2026	शनि	26/12/2026	शनि	26/12/2026
राहु	20/08/2026	गुरु	17/10/2026	शनि	08/12/2026	बुध	29/12/2026	बुध	29/12/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

केतु - केतु - बुध	
11/11/2025 04:55	
02/12/2025 08:00	
बुध	14/11/2025 04:45
केतु	15/11/2025 10:20
शुक्र	18/11/2025 22:51
सूर्य	20/11/2025 00:12
चंद्र	21/11/2025 18:28
मंगल	23/11/2025 00:02
राहु	26/11/2025 04:06
गुरु	28/11/2025 23:43
शनि	02/12/2025 08:00

केतु - शुक्र - शुक्र	
02/12/2025 08:00	
11/02/2026 08:30	
शुक्र	14/12/2025 04:05
सूर्य	17/12/2025 17:19
चंद्र	23/12/2025 15:21
मंगल	27/12/2025 18:47
राहु	07/01/2026 10:28
गुरु	16/01/2026 21:44
शनि	28/01/2026 03:36
बुध	07/02/2026 05:05
केतु	11/02/2026 08:30

केतु - शुक्र - सूर्य	
11/02/2026 08:30	
04/03/2026 15:51	
सूर्य	12/02/2026 10:04
चंद्र	14/02/2026 04:41
मंगल	15/02/2026 10:31
राहु	18/02/2026 15:13
गुरु	21/02/2026 11:24
शनि	24/02/2026 20:22
बुध	27/02/2026 20:48
केतु	01/03/2026 02:38
शुक्र	04/03/2026 15:51

केतु - शुक्र - चंद्र	
04/03/2026 15:51	
09/04/2026 04:06	
चंद्र	07/03/2026 14:53
मंगल	09/03/2026 16:35
राहु	15/03/2026 00:26
गुरु	19/03/2026 18:04
शनि	25/03/2026 09:00
बुध	30/03/2026 09:44
केतु	01/04/2026 11:27
शुक्र	07/04/2026 09:30
सूर्य	09/04/2026 04:06

केतु - शुक्र - मंगल	
09/04/2026 04:06	
04/05/2026 00:41	
मंगल	10/04/2026 14:54
राहु	14/04/2026 08:23
गुरु	17/04/2026 15:56
शनि	21/04/2026 14:24
बुध	25/04/2026 02:54
केतु	26/04/2026 13:42
शुक्र	30/04/2026 17:08
सूर्य	01/05/2026 22:58
चंद्र	04/05/2026 00:41

केतु - शुक्र - राहु	
04/05/2026 00:41	
06/07/2026 22:44	
राहु	13/05/2026 14:47
गुरु	22/05/2026 03:20
शनि	01/06/2026 06:13
बुध	10/06/2026 07:33
केतु	14/06/2026 01:02
शुक्र	24/06/2026 16:42
सूर्य	27/06/2026 21:24
चंद्र	03/07/2026 05:15
मंगल	06/07/2026 22:44

केतु - शुक्र - गुरु	
06/07/2026 22:44	
01/09/2026 18:20	
गुरु	14/07/2026 12:33
शनि	23/07/2026 12:27
बुध	31/07/2026 13:37
केतु	03/08/2026 21:10
शुक्र	13/08/2026 08:26
सूर्य	16/08/2026 04:37
चंद्र	20/08/2026 22:15
मंगल	24/08/2026 05:47
राहु	01/09/2026 18:20

केतु - शुक्र - शनि	
01/09/2026 18:20	
08/11/2026 05:36	
शनि	12/09/2026 10:43
बुध	22/09/2026 00:07
केतु	25/09/2026 22:34
शुक्र	07/10/2026 04:27
सूर्य	10/10/2026 13:25
चंद्र	16/10/2026 04:21
मंगल	20/10/2026 02:49
राहु	30/10/2026 05:42
गुरु	08/11/2026 05:36

केतु - शुक्र - बुध	
08/11/2026 05:36	
07/01/2027 14:26	
बुध	16/11/2026 18:51
केतु	20/11/2026 07:22
शुक्र	30/11/2026 08:50
सूर्य	03/12/2026 09:17
चंद्र	08/12/2026 10:01
मंगल	11/12/2026 22:32
राहु	20/12/2026 23:51
गुरु	29/12/2026 01:02
शनि	07/01/2027 14:26

केतु - शुक्र - केतु	
07/01/2027 14:26	
01/02/2027 11:00	
केतु	09/01/2027 01:14
शुक्र	13/01/2027 04:40
सूर्य	14/01/2027 10:29
चंद्र	16/01/2027 12:12
मंगल	17/01/2027 23:00
राहु	21/01/2027 16:29
गुरु	25/01/2027 00:02
शनि	28/01/2027 22:29
बुध	01/02/2027 11:00

केतु - सूर्य - सूर्य	
01/02/2027 11:00	
07/02/2027 20:25	
सूर्य	01/02/2027 18:41
चंद्र	02/02/2027 07:28
मंगल	02/02/2027 16:24
राहु	03/02/2027 15:25
गुरु	04/02/2027 11:52
शनि	05/02/2027 12:10
बुध	06/02/2027 09:54
केतु	06/02/2027 18:51
शुक्र	07/02/2027 20:25

केतु - सूर्य - चंद्र	
07/02/2027 20:25	
18/02/2027 12:05	
चंद्र	08/02/2027 17:43
मंगल	09/02/2027 08:38
राहु	10/02/2027 22:59
गुरु	12/02/2027 09:04
शनि	14/02/2027 01:33
बुध	15/02/2027 13:46
केतु	16/02/2027 04:41
शुक्र	17/02/2027 23:18
सूर्य	18/02/2027 12:05

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
29/12/2025 09:19:00 से 28/01/2026 19:50:03 तक

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रूधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय मास
28/01/2026 19:50:03 से 28/02/2026 06:21:06 तक

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को अर्जित करेंगे। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ एवं दुर्बलता की अनुभूति करेंगे साथ ही शत्रुपक्ष से भी अनावश्यक भय एवं चिन्ता का वातावरण रहेगा जिससे मन में अशान्ति उत्पन्न होगी। इस समय आपके घर में या अन्यत्र चोरी आदि भी हो सकती है। अतः आपको चोरों से सावधान रहना चाहिए। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का उलंघन न करें अन्यथा आप दंडित भी हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे साथ ही धन का भी अनावश्यक व्यय होगा तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी इस समय सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। सम्बन्धियों एवं मित्रों से भी आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा समाज से उपेक्षा प्राप्त कर सकते है। इसके अतिरिक्त आशाओं की पूर्ति में भी आप असफल ही रहेंगे।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे जिससे आप स्त्री से सुखी रहेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से अपने प्रमुख कार्यो को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा एवं यत्नपूर्वक आप इसका अनुपालन करेंगे। इस प्रकार आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास
28/02/2026 06:21:06 से 30/03/2026 16:52:09 तक

यह मास आपके लए मध्यम रहेगा अर्थात शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे अतः आप का व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट जनों की संगति भी करेंगे। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी पूर्ण रूप से ठीक नहीं रहेगा इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य पराक्रम एवं परिश्रम के उपरान्त भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसका अनुपालन करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। मित्रों एवं सम्बन्धियों के मध्य आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा उनसे उचित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। आपके कार्यक्षेत्र में भी इस मास में व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा शत्रुओं से नित्य भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त आप जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मिलेगी। साथ ही मन से भी अशान्त रहेंगे एवं बैचेनी की अनुभूति करेंगे।

इसके साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं उससे आपको अपेक्षित सहयोग भी प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा पूर्ण रूपेण धन लाभ तथा सुख प्राप्त करेंगे। साथ ही आप समाज में कीर्ति भी प्राप्त कर सकेंगे।

चतुर्थ मास
30/03/2026 16:52:09 से 30/04/2026 03:23:12 तक

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा इस समय आप शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास आपका शत्रुपक्ष बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे फलतः मानसिक रूप से आप उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें एवं उन्हें उचित सहयोग प्रदान करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे अन्यथा आपको असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। साथ ही धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आर्थिक संकट भी न्यूनाधिक मात्रा में रहेगा। आपके द्वारा इस मास कोई ऐसा भी कार्य हो सकता है जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इस मास आपके सम्बन्धियों तथा मित्रों से तनावपूर्ण संबध रहेंगे एवं मधुरता का अभाव रहेगा। इसके अतिरिक्त समाज से भी आपको उपेक्षा मिलेगी तथा आशाएं भी अल्पमात्रा में पूर्ण होंगी।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में शुभ फल भी घटित होंगे।जिसके प्रभाव से आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे जिससे मानसिक प्रसन्नता तथा शान्ति की अनुभूति होगी।

पंचम् मास
30/04/2026 03:23:12 से 30/05/2026 13:54:15 तक

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त मध्यम रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों के साथ में रहेंगे अतः आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगे। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ तथा दुर्बल रहेंगे। इस मास में अत्यधिक परिश्रम के पश्चात भी आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप उचित पूजन तथा सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी हानि होती रहेगी तथा मित्रों एवं संबधियो से भी मधुर संबध नहीं रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आपको शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः महिला सहयोगियों से आप लाभार्जन करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी फलतः उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। इसके साथ ही समाज एवं सामाजिक जनों से भी आप यश एवं सम्मान प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

षष्ठ मास
30/05/2026 13:54:15 से 30/06/2026 00:25:18 तक

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। अतः आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वबुद्धि बल से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे तथा पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप ज्ञानार्जन करने में भी सफल रहेंगे। साथ ही प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके अधिकाशं शुभ कार्य सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित लाभार्जन करने में सफल रहेंगे एवं समाज से भी आप पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। अतः मन से भी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा इसके लिए आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

सप्तम् मास

30/06/2026 00:25:18 से 30/07/2026 10:56:21 तक

यह मास आपके लिये मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फल आप प्राप्त करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुर्जनों की संगति में सम्मिलित होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। साथ ही अत्यन्त परिश्रम एवं पराक्रम से ही आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को अल्प मात्रा में सिद्ध करने में सफलता प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का ही भाव अधिक रहेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी धन हानि या व्यय के योग बनेंगे। इस मास में मित्रों तथा संबधियों से आपके सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा आपस में मन मुटाव तथा तनाव का वातावरण विद्यमान रहेगा। नौकरी या व्यापार आदि में भी इस समय अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी एवं शत्रुपक्ष से भी भय एवं चिन्ता का भाव रहेगा। जिस कार्य को भी आप इस मास में सम्पन्न सम्पन्न करना चाहेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।अतः इससे आप मानसिक रूप से अशान्त तथा अप्रसन्न रहेंगे।

परंतु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे।अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा बुद्धिमता से आपके कार्य सम्पन्न होंगे तथा अन्य प्रकार से भी सुखी रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति अपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक कार्य क्रम को भी आप सम्पन्न कर सकते हैं।

अष्टम् मास
30/07/2026 10:56:21 से 29/08/2026 21:27:24 तक

यह मास आपके लिये सामान्यतया अशुभ रहेगा। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस समय आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे तथा उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति तथा उद्विग्नता विद्यमान रहेगी। साथ ही इस मास में आपके धर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय आपको पूर्ण सहयोग रखना चाहिए तथा उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा आप दण्डित भी किए जा सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे एवं धन का व्यय भी अनावश्यक रूप में होता रहेगा। अतः आर्थिक दृष्टि से भी आप शिथिल हो सकते है। साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आप को बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबधियों से आपके संबधों में भी इस समय तनाव का वातावरण रहेगा तथा समाज से भी आप उपेक्षा प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पितजनित रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा दुर्घटना अदि से भी शरीर में रक्त विकार की संभावना हो सकती है। इसके अतिरिक्त इस समय अग्नि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
29/08/2026 21:27:24 से 29/09/2026 07:58:27 तक

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ फल दायक रहेगा। इस समय महिला वर्ग से आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर सम्पन्न होंगे। इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण शान्ति तथा प्रसन्नता प्राप्त करेंगे।साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं ज्ञानार्जन के क्षेत्र में आपके मन में उत्सुकता उत्पन्न होगी। आपके मित्र तथा बन्धु जनों से इस समय मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा सहायता प्राप्त होगी। इस समय आपको इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज में भी आप सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके रूके हुए शुभ कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। एवं प्रचुर मात्रा में धन एवं सुख साधनों को अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे एवं समाज तथा बन्धुवर्ग से पूर्ण सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास
29/09/2026 07:58:27 से 29/10/2026 18:29:30 तक

यह मास आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। इस मास में आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा ज्ञान प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। आपके प्रभुत्व में इस मास में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे एवं कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको प्रसन्नता होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियमपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित लाभ अर्जित करेंगे तथा समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह समय आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण तथा सुख प्रदान करने वाला होगा जिससे आप मानसिक रूप से पूर्ण शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

एकादश मास
29/10/2026 18:29:30 से 29/11/2026 05:00:33 तक

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय महिला वर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सौभाग्य से ही सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों तथा संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा साथ ही मनोवांछित द्रव्यों की भी इस मास में उपलब्धि हो सकती है। संतति पक्ष से भी आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं की भी प्राप्ति करने में सफल सिद्ध हो सकते हैं।

द्वादश मास
29/11/2026 05:00:33 से 29/12/2026 15:31:36 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप विविध प्रकार से द्रव्य अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति से आपको इस मास में पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफल भी रहेंगे।आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। इस समय आपके कई महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति होगी।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग भी प्राप्त होगा साथ ही समाज में भी आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से आवश्यक सहयोग अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुखार्जन में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धावान रहेंगे तथा समाज में आदरणीय समझे जाएंगे।